भारत सरकार
संचार मंत्रालय
दूरसंचार विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 608
उत्तर देने की तारीख 3 दिसंबर, 2025

वारंगल टावर्स में 5जी रोलआउट कवरेज

608. डॉ. कडियम काव्यः

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वारंगल जिले के कितने टावर 5जी सेवा प्रदान कर रहे हैं;
(ख) आईपीपीबी के अंतर्गत कितने डाकघर सेवाओं का डिजिटलीकरण किया गया है;
(ग) पीएमजी दिशा के अंतर्गत डिजिटल साक्षरता मिशन का ब्यौरा क्या है; और
(घ) सीईआरटी-इन के ज़रिए साइबर सुरक्षा जागरूकता का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर)

(क) दिनांक 31.10.2025 तक, दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) ने वारंगल जिले में 209 5जी बेस ट्रांससीवर स्टेशन (बीटीएस) स्थापित किए हैं।

(ख) डाक विभाग (डीओपी) ने इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) की स्थापना की है, जिसने लास्ट माइल तक बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए 1.64 लाख से अधिक डाकघरों को सक्षम बनाया है। डीओपी ने आईपीपीबी के माध्यम से अपनी वित्तीय सेवाओं का विस्तार किया है, जिसमें खाता खोलना, घरेलू धन हस्तांतरण सेवाएं, आधार सक्षम भुगतान प्रणाली (एईपीएस), डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (डीएलसी), डाक बचत स्कीमों और डाक जीवन बीमा (पीएलआई) के लिए ऑनलाइन भुगतान, तृतीय पक्ष के माध्यम से बीमा सेवाएं और क्रेडिट रेफरल की सुविधा शामिल हैं।

(ग) तेलंगाना राज्य सहित देश भर में 6 करोड़ ग्रामीण परिवारों (प्रति परिवार एक व्यक्ति) में डिजिटल साक्षरता प्रदान करने के लिए प्रधान मंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (पीएमजीदिशा) शुरू किया गया था। 6 करोड़ की तुलना में देश भर में 6.39 करोड़ लोगों को

प्रशिक्षित किया गया। इस स्कीम को सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड द्वारा देश में 2.52 लाख ग्राम पंचायतों में 4.39 लाख जन सेवा केंद्रों के माध्यम से लागू किया गया था। पीएमजीदिशा स्कीम के तहत प्रशिक्षण और प्रमाणन आधिकारिक तौर पर दिनांक 31.03.2024 को संपन्न हुआ है।

इस स्कीम के तहत, तेलंगाना राज्य में, ग्रामीण परिवारों के 14.56 लाख से अधिक उम्मीदवारों को नामांकित किया गया था, और 12.10 लाख से अधिक उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया था। तेलंगाना के वारंगल जिले में, कुल 49,600 उम्मीदवारों को नामांकित किया गया था और पीएमजीदिशा स्कीम के तहत कुल 43,382 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया था।

(घ) इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (सीईआरटी-इन) ने डिजिटल प्रौद्योगिकियों के सुरक्षित उपयोग के संबंध में प्रयोक्ता और संगठनों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए निम्नलिखित उपाय किए हैं:

i) सीईआरटी-इन निरंतर आधार पर कंप्यूटर, मोबाइल फोन, नेटवर्क और डेटा की सुरक्षा के लिए नवीनतम साइबर खतरों/संवेदनशीलताओं और प्रत्युपायों के बारे में अलर्ट और परामर्शिकाएं जारी करता है। यह नियमित रूप से अपनी आधिकारिक वेबसाइटों और सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से संरक्षा और सुरक्षा सुझाव, जागरूकता पोस्टर, इंफो-ग्राफिक्स, बुकलेट और वीडियो साझा करता है।

ii) सीईआरटी-इन सरकार, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों के आईटी/साइबर सुरक्षा पेशेवरों के लिए साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण आयोजित करता है।

iii) साइबर स्वच्छता केंद्र (सीएसके) सीईआरटी-इन द्वारा प्रदान की जाने वाली नागरिक-केंद्रित सेवा है, जो साइबर स्पेस में स्वच्छ भारत के विजन विस्तार करती है।

iv) सीईआरटी-इन हर वर्ष अक्टूबर के दौरान साइबर सुरक्षा जागरूकता माह (एनसीएसएएम), हर साल फरवरी माह के पहले मंगलवार को सुरक्षित इंटरनेट दिवस, प्रत्येक वर्ष 1 से 15 फरवरी तक स्वच्छता पखवाड़ा और भारत में नागरिकों के साथ-साथ तकनीकी साइबर कम्यूनिटी के लिए विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन करके हर महीने के पहले बुधवार को साइबर जागरूकता दिवस (सीजेडी) का आयोजन कर रहा है।

****